TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

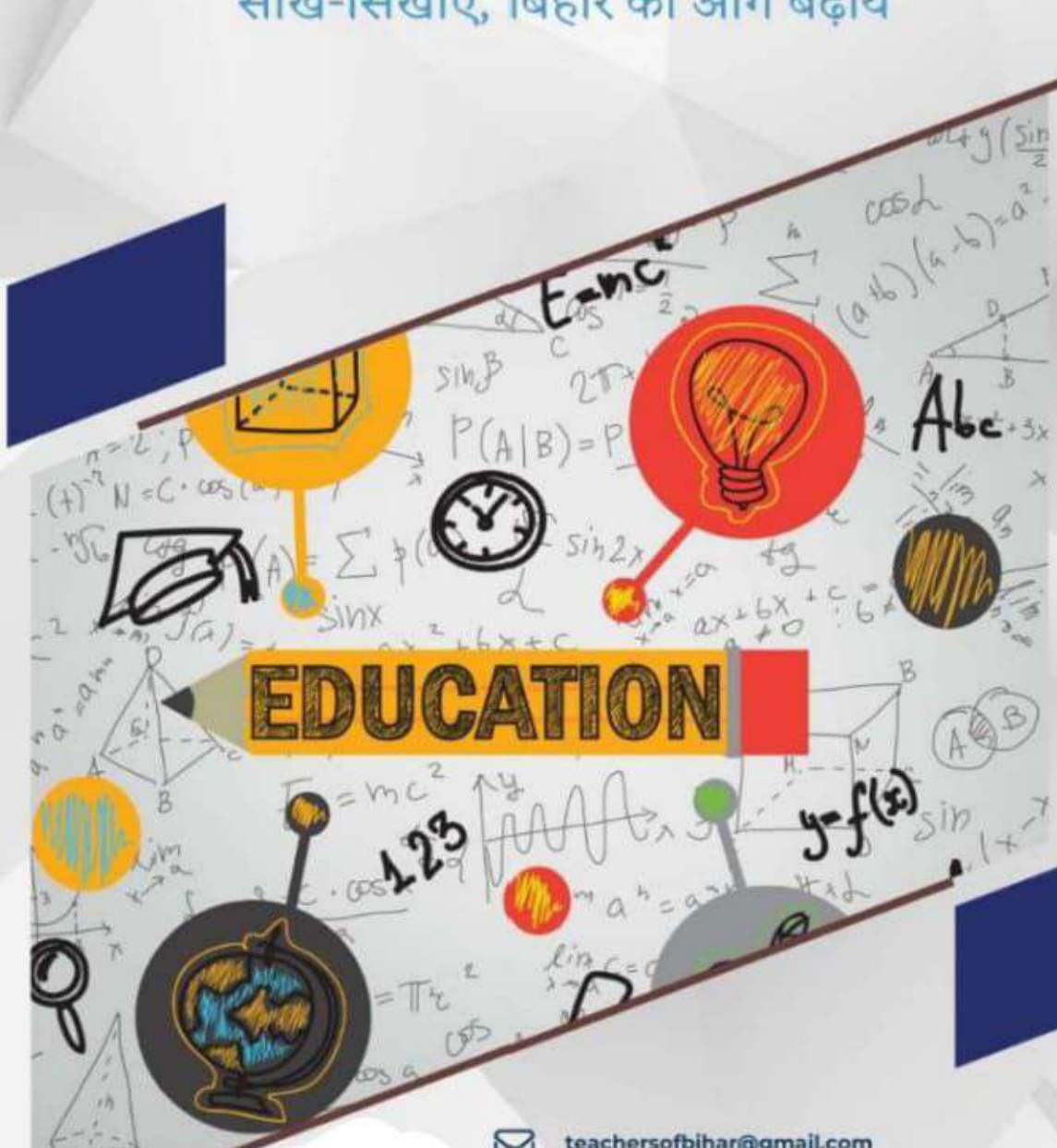

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

https://www.facebook.com/teachersofbihar

https://www.linkedin.com/company/teachersofbihar

www.teachersofbihar.org

जन्मदिन विशेष

27 मई 2026

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

सफलता उन्हीं को मिलती है जो चुनौतियों का सामना करने से नहीं डरते।

रवि शास्त्री

(प्रसिद्ध क्रिकेटर)

जन्म : 27 मई 1962

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org | /teachersofbihar

दिवस विशेष

27 मई

मधु प्रिया

जवाहरलाल नेहरू का निधन 27 मई

पंडित जवाहरलाल नेहरू का जन्म **14** नवंबर **1889** इलाहाबाद के एक धनाढ्य परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम मोतीलाल नेहरू और माता का नाम स्वरूपरानी था। पिता पेशे से वकील थे। उनकी **3** पुत्रियां थीं और जवाहरलाल नेहरू उनके इकलौते पुत्र थे। वे स्वतंत्र भारत के पहले प्रधानमंत्री थे। बच्चों के प्यारे 'चाचा नेहरू' के रूप में पंडित जवाहरलाल नेहरू देश को प्रगति के पथ पर ले जाने वाले खास पथप्रदर्शक थे। **27** मई को हर साल देश अपने पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि मनाता है। **27** मई **1964** हिंदुस्तान की वह तारीख थी जिस दिन देश ने अपने पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को हमेशा के लिए खो दिया था। अचानक हुई उनकी मौत ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया था। यह उनकी लोकप्रियता ही थी कि पूरे विश्व के अखबारों में उनकी मौत की खबर को कवर किया गया था। न्यूयॉर्क टाइम्स ने पहले पन्ने पर भारतीय प्रधानमंत्री की मौत की खबर को सेकंड लीड बनाया था। दुनिया के दूसरे बड़े अखबारों मे भी जवाहर लाल नेहरू की खबर को प्रमुखता दी गई थी।भारत में तो मातम का माहौल था ही। भारत को आजादी मिले कुछ ही साल हुए थे, ऊपर से **1962** में भारत चीन से युद्ध भी हार चुका था। इन सबके बीच प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का भारत को यूं छोड़ कर जाना पूरे देश के लिए पीड़ादायक था। हालांकि सोशल मीडिया के जमाने में उनकी मौत को लेकर तमाम तरीके के भ्रम फैलाने की कोशिश होती है, पर उस दौर की तमाम किताबों , नेहरू के मित्रों, समकालीन नेताओं और अधिकारियों की किताबों और संस्मरणों से जो बात सबसे पुख्ता तरीके से निकल कर आती है वो यही है कि उनकी मौत का असली कारण चीन का विश्वासघात था। सही मायनों में उनकी मौत हार्टअटैक की वजह से हुई थी। लेकिन उसे चीन से जोड़ कर इस लिए देखा जाता है क्योंकि चीन के भारत पर हमले के बाद से ही उनकी सेहत बिगड़नी शुरू हुई थी। **1962** में जब भारत चीन से युद्ध हारा तो उसके बाद से ही प्रधानमंत्री नेहरू की सेहत गिरने लगी थी,कारण था कि वह इस युद्ध में भारत की हार को सह नहीं पा रहे थे। शायद अंदर ही अंदर नेहरू खुद को इसका जिम्मेदार मानते थे।

Teachers of Bihar
The Change Makers

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 27.05.2026

बाल केंद्रित दृष्टिकोण

बाल केंद्रित दृष्टिकोण वह शिक्षण पद्धति है जिसमें शिक्षा का केंद्र बच्चा होता है। इस दृष्टिकोण में बच्चों की रुचि, आवश्यकता, क्षमता, अनुभव और गति को ध्यान में रखकर शिक्षण कराया जाता है। शिक्षक केवल मार्गदर्शक की भूमिका निभाता है और बच्चों को सक्रिय रूप से सीखने के अवसर देता है।

राकेश कुमार

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

भारतीय सेना की मेजर अभिलाषा बराक को 'यूएन मिलिट्री जेंडर एडवोकेट ऑफ द ईयर 2025' अवार्ड के लिए चुना गया है। मेजर बराक को यह सम्मान महिलाओं के सशक्तिकरण व प्रशिक्षण में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाएगा।

100 मीटर रेस की
बेस्ट टाइमिंग

वर्ल्ड रिकॉर्ड

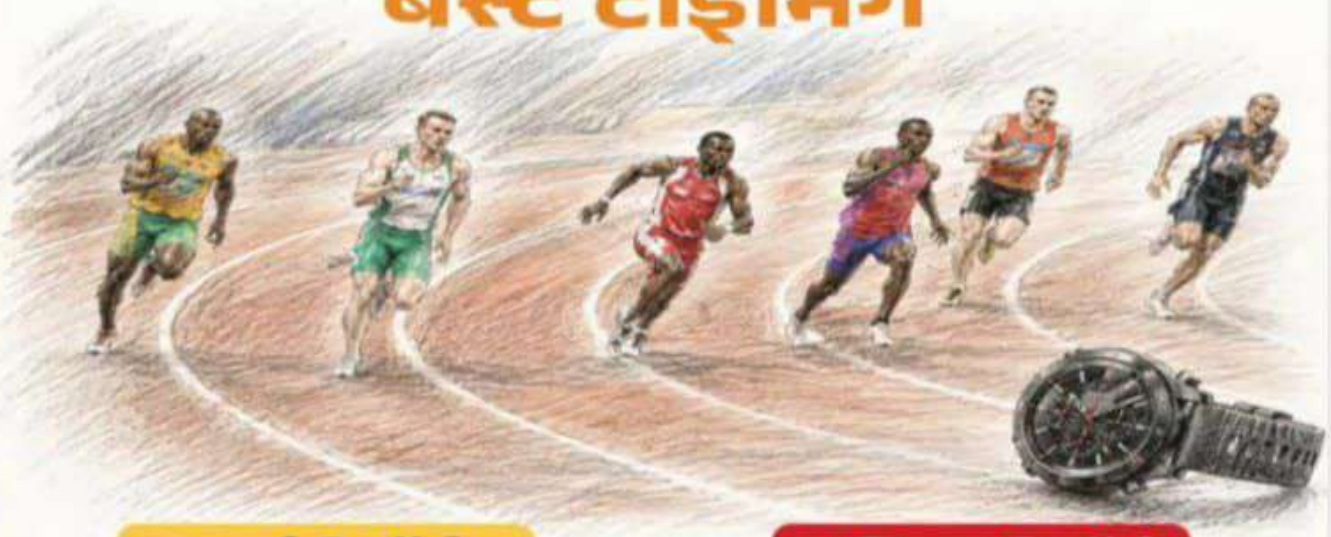

9.58 सेकेंड

जमैका के धावक उसैन बोल्ट ने 2009 में बर्लिन में आयोजित 'वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप' में बनाया था।

एशियन रिकॉर्ड

9.83 सेकेंड

चीन के सु बिंगतियान ने 1 अगस्त 2021 को टोक्यो ओलिंपिक के दौरान बनाया था।

ओलिंपिक रिकॉर्ड

9.63 सेकेंड

जमैका के धावक उसैन बोल्ट ने 2012 में लंदन ओलिंपिक में बनाया था

एशियन गेम्स रिकॉर्ड

9.92 सेकेंड

चीन के धावक सु बिंगतियान ने जकार्ता में आयोजित 2018 एशियन गेम्स में बनाया था।

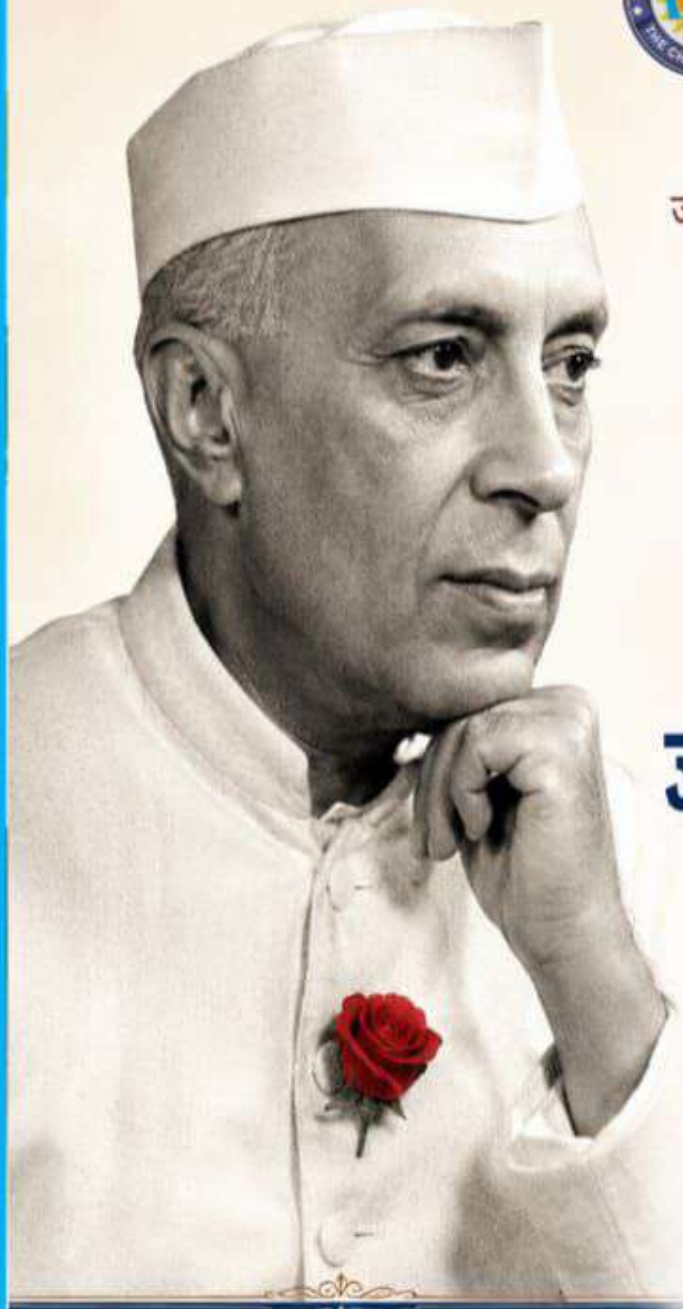

" आराम हराम है और
जब तक ज़िंदा रहो, काम करते रहो।"

– पंडित जवाहरलाल नेहरू

भारत के प्रथम प्रधानमंत्री

पंडित जवाहरलाल नेहरु जी

— की पुण्यतिथि —

27 मई

पर उन्हें

भावपूर्ण श्रद्धांजलि

एक दूरदर्शी नेता, महान विचारक, उत्कृष्ट वक्ता
और आधुनिक भारत के निर्माता को

शत्-शत् नमन!

- शिक्षा के प्रबल समर्थक
- आधुनिक भारत के निर्माता
- गुटनिरपेक्ष आंदोलन के प्रणेता
- बच्चों से अपार प्रेम करने वाले 'चाचा नेहरू'

www.teachersofbihar.org

राकेश कुमार

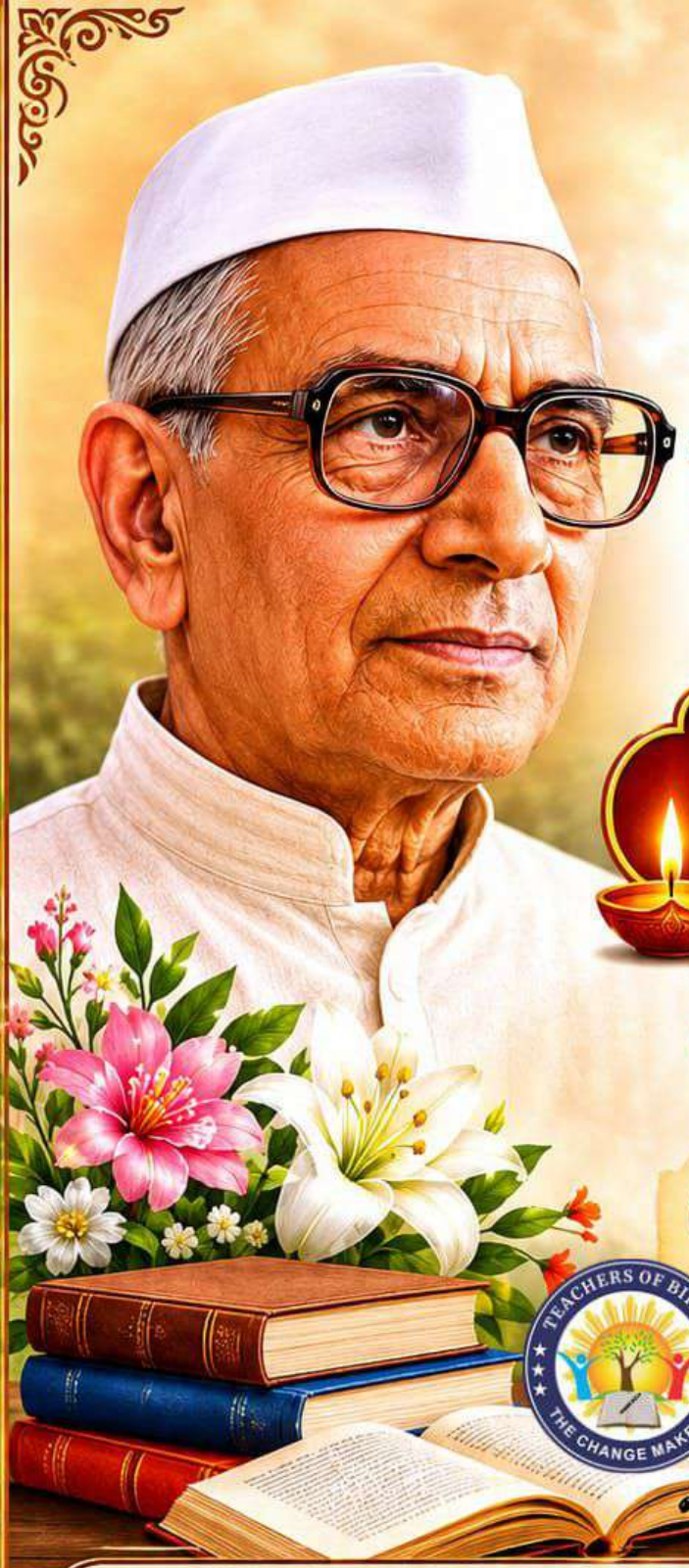

कलम के जादूगर,
मराठी साहित्य के महान सष्टा,
संवेदनशील विचारक एवं चिंतक
भारतीय मराठी लेखक
लक्ष्मण शास्त्री जोशी
की
पुण्यतिथि
पर उन्हें
27 मई
भावपूर्ण श्रद्धांजलि
"व्यक्ति से बड़ा समाज है,
समाज से बड़ा राष्ट्र है और
राष्ट्र से बढ़कर कुछ नहीं।"
– लक्ष्मण शास्त्री जोशी
TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
लक्ष्मण शास्त्री जोशी मराठी साहित्य के एक दूरदर्शी साहित्यकार, विचारक और राष्ट्रभक्त थे। उन्होंने अपनी लेखनी के माध्यम से समाज और राष्ट्र के उत्थान के लिए अमूल्य योगदान दिया।
उनके जीवन से हम सीख लेते हैं –
Madhu Priya
साहित्य
लेखन
समाज सेवा
राष्ट्र प्रेम
संस्कार
मानवता
www.teachersofbihar.org
आपकी लेखनी और विचार युगों-युगों तक हमें प्रेरित करते रहेंगे।

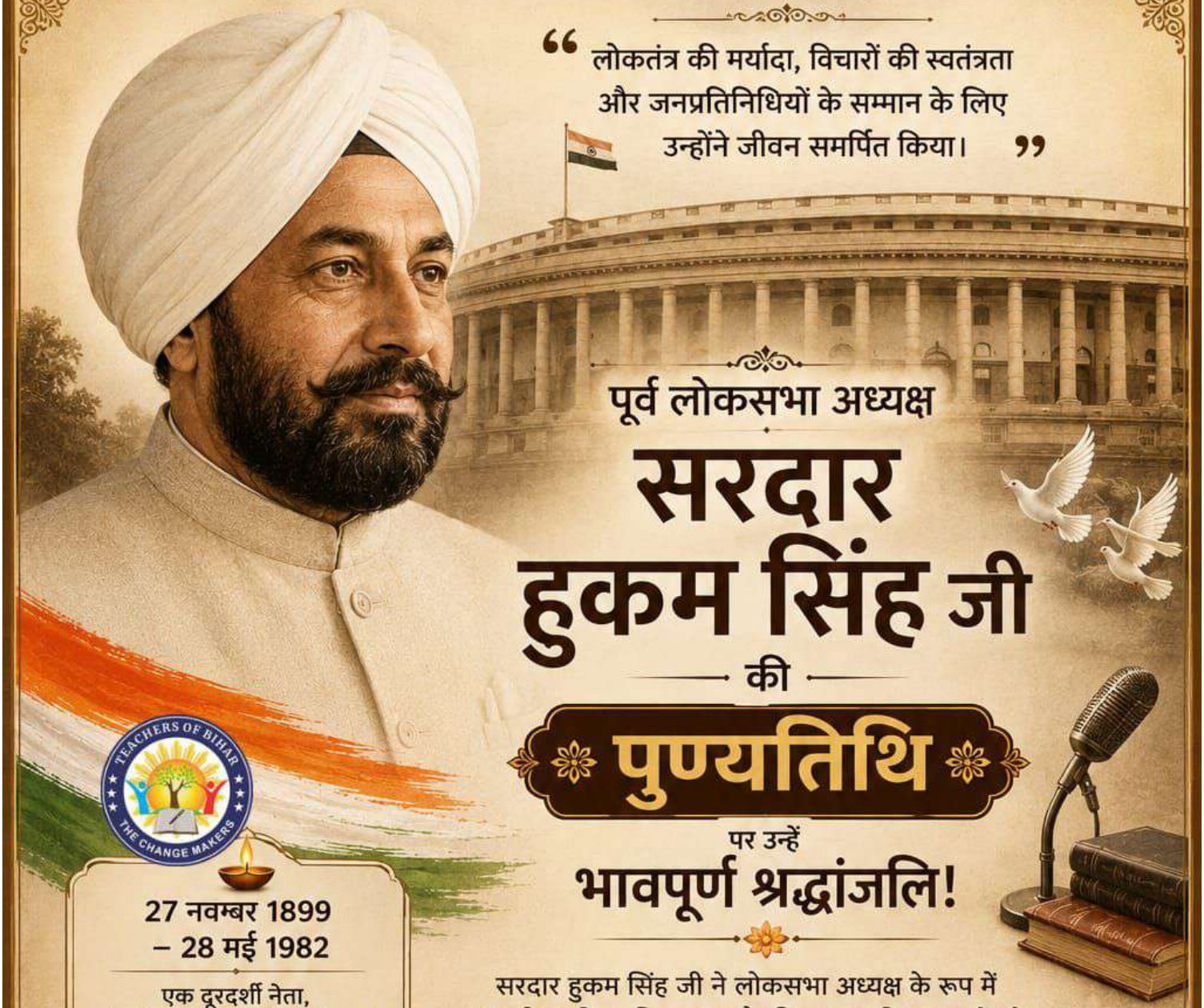

"लोकतंत्र की मर्यादा, विचारों की स्वतंत्रता और जनप्रतिनिधियों के सम्मान के लिए उन्होंने जीवन समर्पित किया।"
पूर्व लोकसभा अध्यक्ष
सरदार हुकम सिंह जी
की
पुण्यतिथि
पर उन्हें
भावपूर्ण श्रद्धांजलि!
TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
27 नवम्बर 1899 – 28 मई 1982
एक दूरदर्शी नेता, संसदीय परंपराओं के सच्चे प्रहरी और जनसेवा के प्रतीक।
सरदार हुकम सिंह जी ने लोकसभा अध्यक्ष के रूप में संसदीय गरिमा, शिष्टाचार और निष्पक्षता की परंपराओं को मजबूत किया और लोकतंत्र को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया।
www.teachersofbihar.org
उनके अमूल्य योगदान
लोकतंत्र के संरक्षक
लोकसभा अध्यक्ष के रूप में संसद की गरिमा, परंपराओं और अनुशासन को सुदृढ़ किया।
सर्वसम्मति के प्रतीक
सभी दलों को साथ लेकर चलने की उनकी क्षमता ने संसदीय लोकतंत्र को मजबूती दी।
निष्पक्ष नेतृत्व
उन्होंने हमेशा निष्पक्ष, निडर और न्यायपूर्ण निर्णयों से सदन का मार्ग प्रशस्त किया।
संसदीय परंपराओं के संवर्धक
संसदीय प्रक्रियाओं और मर्यादाओं को स्थापित और संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
जनसेवा के प्रति समर्पित
देश, समाज और जनकल्याण के प्रति उनका समर्पण हम सभी के लिए प्रेरणादायक है।
Madhu Priya
"उनका जीवन सादगी, नैतिकता और कर्तव्यपरायणता का अदुत उदाहरण है। हम उन्हें नमन करते हैं और उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लेते हैं।"
विनम्र श्रद्धांजलि

त्याग, संघर्ष और समर्पण की
अमर गाथा

मातृशक्ति की प्रतीक,
भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की
जीवनसंगिनी

रमाबाई अंबेडकर
की

पुण्यतिथि
पर उन्हें

भावपूर्ण श्रद्धांजलि

27 मई

रमाबाई अंबेडकर जी का जीवन त्याग, संघर्ष, धैर्य और महानता की मिसाल था। उन्होंने डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के साथ कंधे से कंधा मिलाकर समाज सुधार और मानवता की सेवा में अपना अमूल्य योगदान दिया। उनका जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

उनके जीवन से हमें मिलती है प्रेरणा

- त्याग और समर्पण
- साहस और धैर्य
- सहयोग और निष्ठा
- समाज सेवा की भावना
- समानता और मानवता

www.teachersofbihar.org

Madhu Priya

**रमाबाई अंबेडकर जी को
शत्-शत् नमन।**

राष्ट्र निर्माण के महान शिल्पी
आधुनिक भारत के निर्माता
हमारे प्रेरणास्रोत

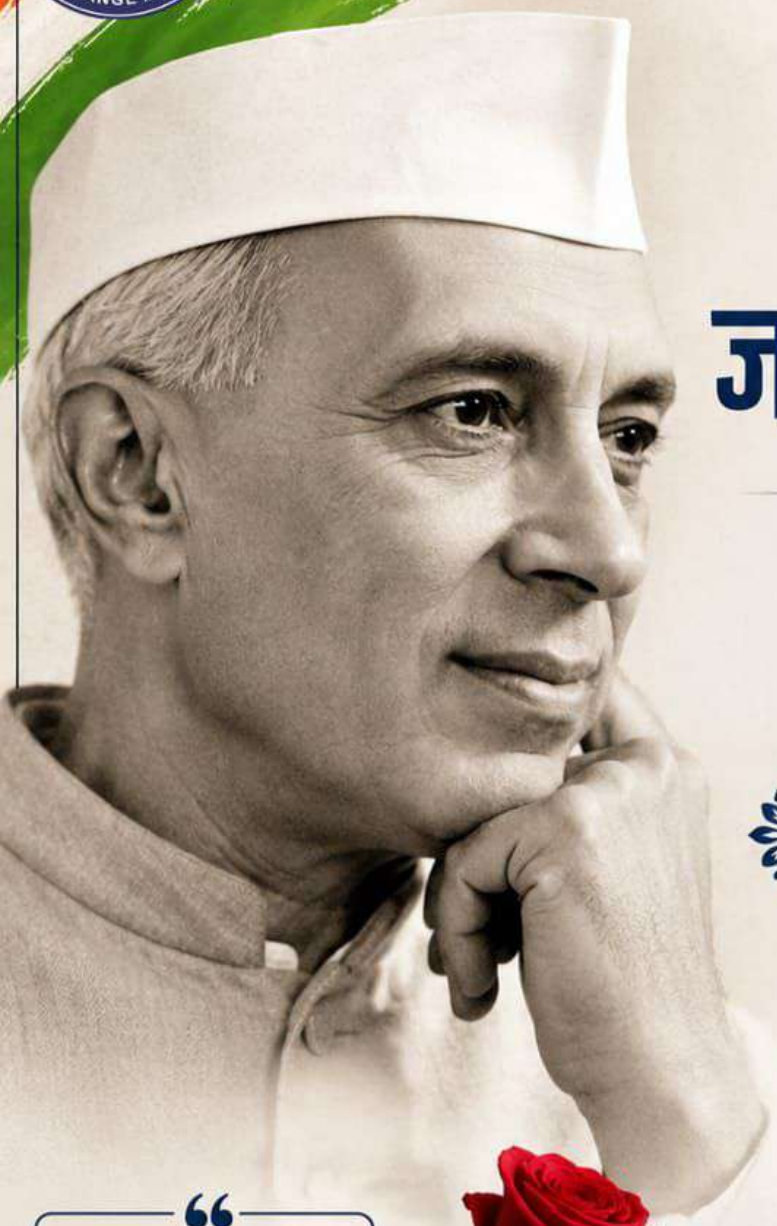

पंडित
जवाहरलाल नेहरु
की
पुण्यतिथि
पर उन्हें
भावपूर्ण श्रद्धांजलि

27 मई 1964

उन्होंने देश को लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता, विज्ञान, शिक्षा और प्रगति की राह दिखाई। उनका सपना था – एक सशक्त, समृद्ध और एकजुट भारत।

> "आराम हराम है और जब तक हम यह मानते रहेंगे, तब तक हम सफल होते रहेंगे।"
> – जवाहरलाल नेहरू

शिक्षा | विज्ञान | लोकतंत्र | शांति | एकता

www.teachersofbihar.org

Madhu Priya

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

Teachers Of Bihar Presents

Smiling Faces Of Bihar

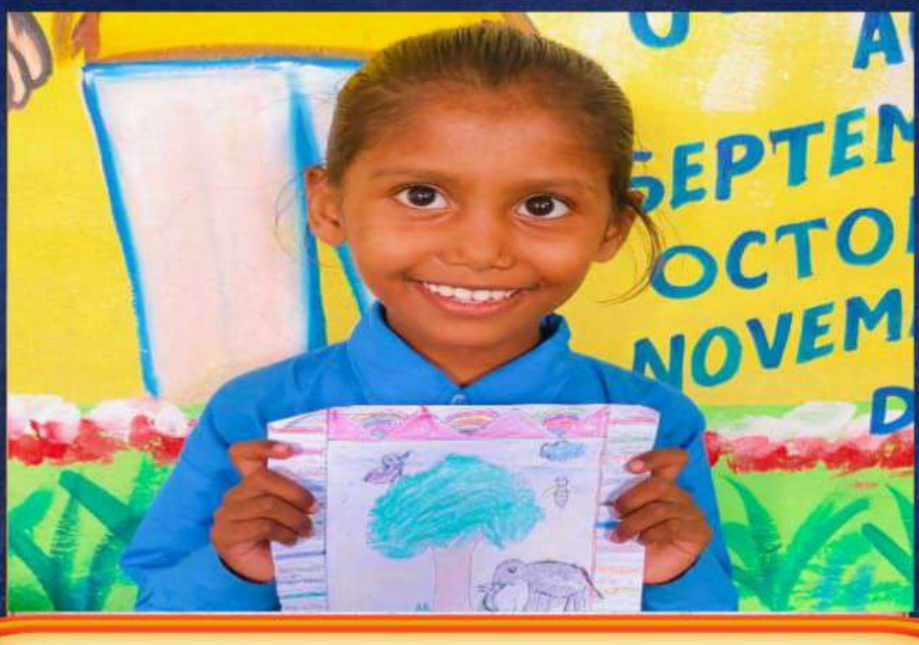

GPS नौला मुशहरी, बीरपुर, बेगूसराय

www.teachersofbihar.org

MRITUNJAY KUMAR

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

Teachers Of Bihar Presents

Smiling Faces Of Bihar

NPS बवरिया, पहाड़पुर, पूर्वी चंपारण

www.teachersofbihar.org

MRITUNJAY KUMAR

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

Teachers Of Bihar Presents

Smiling Faces Of Bihar

मध्य विद्यालय शिवगंज, डेहरी, रोहतास

www.teachersofbihar.org

MRITUNJAY KUMAR

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

Teachers Of Bihar Presents

Smiling Faces Of Bihar

मध्य विद्यालय विष्णुचक, समेली, कटिहार

www.teachersofbihar.org

MRITUNJAY KUMAR